समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

कक्षा से किचन तक, और किचन से केक शॉप तक : अनुष्का अभिजीत पवार की प्रेरणादायक उद्यमिता यात्रा

Sanket Morankar

Published on 13 Jan 2026

कुछ कहानियाँ परिस्थितियों की देन नहीं होतीं, बल्कि हौसले, मेहनत और आत्मविश्वास से लिखी जाती हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है **श्रीमती अनुष्का अभिजीत पवार** की, जिन्होंने एक सफल शिक्षिका से आत्मनिर्भर महिला उद्यमी बनने तक का सफर तय किया और यह साबित कर दिया कि सही सोच और निरंतर प्रयास से कोई भी नई शुरुआत संभव है।

अनुष्का पवार का जन्म और शिक्षा मुंबई में हुई, जबकि उनकी जड़ें महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के सिंधुदुर्ग जिले के कणकवली तालुका से जुड़ी हैं। अपनी मातृभूमि से गहरा लगाव होने के बावजूद, जीवन और कार्य की परिस्थितियों के चलते वे पिछले 18 वर्षों से अपने परिवार के साथ **वापी, गुजरात** में निवास कर रही हैं।

बचपन से ही अनुष्का का सपना था कि वे एक शिक्षिका बनें। इस सपने को साकार करते हुए उन्होंने लगभग **7 से 8 वर्षों तक कोचिंग क्लासेस और निजी स्कूलों मे अंध्यापन कार्य** किया। पढ़ाना उनके लिए केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक समर्पण और सेवा का माध्यम था।

लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन से ठीक पहले कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण उन्हें अपने शिक्षण करियर को विराम देना पड़ा। यह समय उनके जीवन का कठिन दौर था, लेकिन यहीं से एक नए अध्याय की शुरुआत भी हुई।

इस परिवर्तनशील दौर में अनुष्का ने **केक मेकिंग कोर्स** जॉइन किया, जो शुरुआत में केवल एक शौक था। धीरे-धीरे यही शौक एक उद्देश्य में बदल गया। केक के साथ-साथ उन्होंने अपने कोंकण की परंपरा से जुड़ा **उकडीचे मोदक** बनाना भी शुरू किया।

शुरुआती दिनों में उनके केक प्रोफेशनल फिनिश में भले ही साधारण थे, लेकिन स्वाद में बेहतरीन थे। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिले प्रोत्साहन ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इस दौरान **मंधारे भाऊ और सिया** का विशेष सहयोग उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा।

वर्ष 2018 में परिवार आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा था। ऐसे में अनुष्का ने अपने पति का सहारा बनने का निश्चय किया और पूरी तरह अपने बेकिंग व्यवसाय में जुट गईं।
उन्होंने **सिर्फ ₹3,000 की पूंजी से** अपने केक व्यवसाय की शुरुआत की—जो इस बात का प्रमाण है कि बड़े सपनों के लिए बड़ी पूंजी नहीं, बल्कि मजबूत इरादों की जरूरत होती है।

उनकी मेहनत को एक बड़ा मोड़ तब मिला जब **डी-मार्ट, वापी के प्रमुख श्री सचिन मोली दादा** ने उन्हें वापी और दमन शाखाओं के लिए **मासिक केक ऑर्डर** देना शुरू किया। यह अवसर उनके व्यवसाय के लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। इसके बाद कई बड़ी कंपनियों से भी ऑर्डर मिलने लगे।

घर से काम करते समय स्टोरेज एक बड़ी चुनौती थी। इस कठिनाई को समझते हुए **श्री निखिल राऊत**, एक सफल व्यवसायी और शुभचिंतक ने उन्हें **बड़ा फ्रीजर** उपलब्ध कराया। इस सहयोग ने उनके उत्पादन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

लगातार बढ़ते ऑर्डर, ग्राहकों का विश्वास और सुनियोजित वित्तीय प्रबंधन के चलते अनुष्का ने एक साहसिक कदम उठाया।
1 मार्च 2025 को उन्होंने अपनी **खुद की केक शॉप** की शुरुआत की—जो उनके संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष परिणाम है।

इस पूरे सफर में उनके पति **अभिजीत भीवा पवार**, बेटे **मास्टर तनिष्क पवार** और भतीजे **मास्टर रोहित नायक** ने हर कदम पर उनका साथ दिया। परिवार का यह समर्थन उनके लिए सबसे मजबूत आधार बना।

अनुष्का अपनी सफलता का श्रेय अपने सहयोगियों, कच्चा माल सप्लायर्स, मित्रों और रिश्तेदारों को देती हैं। साथ ही वे **श्री स्वामी समर्थ**, अपने कुलदेवता, ग्रामदेवता और गृहदेवता के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता व्यक्त करती हैं।

एक शिक्षिका से सफल बेकिंग उद्यमी बनने तक का यह सफर उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो जीवन में दोबारा शुरुआत करने का साहस रखती हैं। अनुष्का पवार की कहानी बताती है कि अगर विश्वास, मेहनत और परिवार का साथ हो, तो हर सपना हकीकत बन सकता है।

उनकी लगन और उपलब्धियों को सम्मान देते हुए **अनुष्का अभिजीत पवार** का चयन
"Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025"
पुरस्कारों के लिए किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा महाराष्ट्र की उभरती प्रतिभाओं और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रदान किया जा रहा है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह की शोभा बढ़ाएंगी प्रसिद्ध फिल्म हस्तियां—
- **वर्षा उसगांवकर**
- **सोनाली कुलकर्णी**
- **प्रार्थना बेहेरे**

इस आयोजन का नेतृत्व कर रहे हैं—
श्री सुधीर कुमार पाठाडे,
Founder & CEO, **Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)**,
जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.